

## अंतरराष्ट्रीय जगुआर दविस

हाल ही में राष्ट्रीय प्राणी उद्यान, नई दलिली (दलिली चड्डियाघर) ने अंतरराष्ट्रीय जगुआर दविस मनाया ।

### अंतरराष्ट्रीय जगुआर दविस:

- अंतरराष्ट्रीय जगुआर दविस को जगुआर के सामने बढ़ते खतरों और मेक्सिको से अर्जेंटीना तक इसके अस्तित्व को सुनिश्चित करने वाले महत्त्वपूर्ण संरक्षण पर्यासों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये मनाया जाता है ।
- प्रत्येक वर्ष 29 नवंबर को जैव विविधता संरक्षण के लिये एक महत्त्वपूर्ण प्रजाति, सतत विकास और मध्य एवं दक्षिण अमेरिका की सदियों पुरानी सांस्कृतिक वरिष्ठता के प्रतीक के रूप में अंतरराष्ट्रीय जगुआर दविस मनाया जाता है । यह अमेरिका की सबसे बड़ी जंगली बलिली है ।
- संयुक्त राष्ट्र के [सतत विकास लक्ष्यों](#) को प्राप्त करने के व्यापक पर्यासों के तहत जगुआर कॉरडोर और उनके आवासों के संरक्षण की ज़रूरत पर ध्यान आकर्षित करने के लिये राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय साझीदारों के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय जगुआर दविस संबंधित देशों की सामूहिक आवाज़ का प्रतिनिधित्व करता है ।



### जगुआर:

- जगुआर लैटिन अमेरिका की सबसे बड़ा मांसाहारी और एकमात्र बड़ी बलिली है, जो मेक्सिको से अर्जेंटीना तक 18 देशों में पाया जाता है ।
- इसका वैज्ञानिक नाम **पैंथेरा ओंका** है ।
- **इंटरनेशनल युनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (IUCN)** की खतरे वाली प्रजातियों की रेड लिस्ट में : “ संकटग्रस्त प्रजाति” के रूप में, जगुआर अल सल्वडोर और उरुग्वे में विलुप्त है और शेष रेंज देशों में दबाव का सामना कर रहा है ।
- वन्य जीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों में **अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES)** सूची: परशिष्ट I में आते हैं
- जगुआर ने अपने प्राकृतिक आवास रेंज में 50% से अधिक नुकसान का अनुभव किया है ।
- जगुआर को अक्सर तेंदुए के रूप में समझा जाता है, लेकिन उनके शरीर पर हो रहे धब्बे से उन्हें वभिदति किया जा सकता है ।
- जबका कई बलिलियाँ पानी से बचती हैं, जगुआर अच्छे तैराक होते हैं और यहाँ तक कि पनामा नहर में तैरने के लिये भी जाने जाते हैं ।
- जगुआर की पहचान इसकी पूरी शृंखला में एक प्रजाति के रूप में की गई है, जो प्रजातियों की आनुवंशिक विविधता के लिये इसके नविस स्थान के संबंध और संरक्षण को महत्त्वपूर्ण बनाती है ।

**स्रोत: पी.आई.बी.**

